एग्री आर्टिकल्स
(कृषि लेखों के लिए ई-पत्रिका)
वर्ष: 05, अंक: 05 (सितम्बर-अक्टूबर, 2025)
www.agriarticles.com पर ऑनलाइन उपलब्ध
© एग्री आर्टिकल्स, आई. एस. एस. एन.: 2582-9882

रबी की खेती में बीज उत्पादन बढ़ाने के लिए करें बीज उपचार

*डॉ. पूनम चक्रवर्ती
कृषि विस्तार अधिकारी, किसान कल्याण एवं कृषि विकास विभाग, जबलपुर, मध्य प्रदेश
*संवादी लेखक का ईमेल पता: poonamchakrawarty@gmail.com

रबी फसलों (जैसे गेहूं, चना, मसूर, सरसों, मटर आदि) की अच्छी पैदावार के लिए उच्च गुणवत्ता वाले बीज का चुनाव और उचित बीज उपचार अत्यंत आवश्यक है। बीज उपचार से फसल को प्रारंभिक अवस्था में रोगों, कीटों और फफूंद से बचाव मिलता है तथा अंकुरण और पौधों की वृद्धि बेहतर होती है।

बीज उपचार का महत्व

1. रोगों से सुरक्षा: बीजजनित रोग जैसे करनाल बंट, ढीला कुंडा, फफूंदी आदि से बचाव होता है।
2. अंकुरण दर बढ़ती है: स्वस्थ और समान अंकुर निकलते हैं, जिससे पौधों की संख्या संतुलित रहती है।
3. पोषक तत्वों का बेहतर उपयोग: बीज पर सूक्ष्मजीव आधारित उपचार (जैसे राइजोबियम, पीएसबी) पौधों को आवश्यक पोषक तत्व उपलब्ध कराते हैं।
4. उत्पादन में वृद्धि: रोग-मुक्त और स्वस्थ पौधे अधिक दानेदार व अच्छी गुणवत्ता की उपज देते हैं।

बीज उपचार की विधियाँ

1. रासायनिक बीज उपचार

रासायनिक फफूंदनाशकों का उपयोग बीज जनित रोगों को रोकने के लिए किया जाता है।

उदाहरण के लिए –

फसल	रसायन का नाम	मात्रा प्रति किलो बीज
गेहूं	कार्बेन्डाजिम 50% WP	2.5 ग्राम
चना	थायरम या कार्बेन्डाजिम	2.5–3 ग्राम
मसूर	मैनकोजेब	2.5 ग्राम
सरसों	थायरम या कैप्टान	3 ग्राम

> टिप: बीज उपचार हमेशा छायादार स्थान पर करें और बीज को बोने से पहले पूरी तरह सूखने दें।

2. जैविक बीज उपचार

रासायनिक उपचार के बाद जैव उर्वरक से उपचार किया जाता है।

राइजोबियम – दलहनी फसलों (चना, मटर, मसूर) में नत्रजन स्थिरीकरण के लिए।

पीएसबी (Phosphate Solubilizing Bacteria) – फास्फोरस की उपलब्धता बढ़ाने के लिए।

एजोटोबैक्टर / एजोस्पिरिलम – गैर-दलहनी फसलों में नत्रजन स्थिरीकरण के लिए।

जैविक उपचार रासायनिक उपचार के 24 घंटे बाद किया जाना चाहिए।

बीज उपचार की क्रमिक विधि

1. पहले बीजों की सफाई और छंटाई करें।
2. रासायनिक फफूंदनाशी से उपचार करें।

3. सूखने के बाद जैविक उर्वरक या सूक्ष्मजीव कल्चर से उपचार करें।

4. बीजों को छायादार जगह में सुखाकर तुरंत बुवाई करें।

निष्कर्ष

सही बीज उपचार न केवल फसल को प्रारंभिक रोगों से बचाता है, बल्कि पौधों की वृद्धि, पोषण और उत्पादन को भी बढ़ाता है। प्रत्येक किसान को अपनी रबी फसलों की अधिक पैदावार और गुणवत्ता के लिए बीज उपचार को अपनी खेती की दिनचर्या में शामिल करना चाहिए।